वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 105 | गुरुवार 8 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हरियाली तीज पर एक ही दिन में लगाए गये दो करोड़ से अधिक पौधे

एक पौधा मां के नाम महा-अभियान: मुख्यमंत्री ने पीपल का पौधा लगाकर राजस्थान को हरा-भरा विकसित राज्य बनाने का दिया संदेश पौधारोपण के लिए राज्य में उमड़ा जनसैलाब वन विभाग ने 63 लाख, मनरेगा में 31 लाख, शिक्षा विभाग ने लगाए 88 लाख से अधिक पौधे

जयपुर. शाबाश इंडिया

हरियाली तीज पर एक पौधा मां के नाम महा-अभियान राजस्थान के जन-जन का अभियान बन गया । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दूदू जिला स्थित ग्राम गाडोता के एस.डी.आर.एफ. कैम्पस में पीपल का पौधा लगाकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। शाम होते -होते अभियान के अंतर्गत 2 करोड़ 7 हजार 485 पौधे लग चुके थे । वन विभाग द्वारा अभियान के अंतर्गत आज 63 लाख 2 हजार 402, मनरेगा में 31 लाख 62 हजार 36 , शिक्षा विभाग के अंतर्गत 88 लाख 22 हजार 180, अन्य विभागों की ओर से 17 लाख 20 हजार 867 से अधिक पौधारोपण किए गए। इस अवसर पर शहरी एवं ग्रामीण जन ने अभियान में बढ चढ़कर हिस्सा लेते हुए पौधारोपण किया। अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान के तहत आमजन को अभियान का हिस्सा बनाते हुए पौधों को विकसित करने के लिए मिशन हरियालो राजस्थान की थीम दी गयी। कार्यक्रम के तहत हरियाली तीज के अवसर पर दो करोड़ से अधिक पौधे राजस्थान में लगाए गये हैं। सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत लगाए गये पौधों को हरियालो राजस्थान ऐप को क्यूआर कोड, एपीके, लिंक के माध्यम से डाउनलोड कर रजिस्ट्रेशन करके जिओ टैग एक नवाचार के तहत किया गया। विभाग जिओ टेगिंग के माध्यम से पौधों को ट्रैक करते हुए पौधे पर नजर रखेगा। विश्व स्तर पर प्रकृति मां पर पड़ रहे विपरीत प्रभावों के समाधान के लिए पौधा रोपण कार्यक्रम को जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए राजस्थान सरकार ने नवाचार करते हुए प्रत्येक परिवार को अभियान से जोड़ने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए इसे एक पेड़ मां के नाम सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम बुधवार को संपूर्ण राजस्थान के जिलों, शहरों व गांवों के लोगों को जोड़ने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रमों का आयोजन कर पौधारोपण के आयोजन मे स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के परिवारों, धर्म गुरुओं, जन प्रतिनिधियों से लेकर आम-जन, कर्मचारी, अधिकारी, विभाग, सामाजिक संगठन, राजीविका, महिला सहयोगिनी, औद्योगिक संस्थानों एवं विद्यार्थियों को सहभागी बनाते हुए हरे-भरे राजस्थान का संकल्प लिया गया है।

नरेगा महिला मेटों सहित लखपति दीदी ने भी निभायी भूमिका: कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की गयी थी, जिनमें महिला जनप्रतिनिधि, महिला अधिकारी, महिला कर्मचारी, लखपति दीदी, राजीविका सखी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, आशा सहयोगिनी, नरेगा महिला मेट एवं श्रमिक सहित महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं ने बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत महिलाऐं राजस्थानी परिधान लहरिया में नजर आयी और वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागी बनी। सावन के मौसम में जहां एक ओर धरा ने हरी लहरिया औढ रखी थी, वहीं दूसरी ओर महिलाऐं लहरिया पहने पौधों को रौपती हुई नजर आयीं मानो वह भी ले रही हों एक पौधा मों के नाम। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने राजस्थानी गीतों के माध्यम से भी अभियान को एक भव्यता प्रदान की और प्रकृति को हरा-भरा बनाने में अपनी भूमिका तय की।

7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण ने बताया कि बजट 2024-25 में इस अभियान के तहत 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में पहली बार वन, शिक्षा, मनरेगा, शहरी व स्थानीय निकाय, राजीविका, वाटरशेड, सी एस आर बागवानी, खनिज, पीडब्ल्यूडी, आईसीडीएस, कृषि, चिकित्सा व सिंचाई आदि विभागों को शामिल करते हुए उन्हें विभागवार वृक्षारोपण के लिए 7 करोड़ 54 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। योजना अंतर्गत राज्य में हरियाली तीज के अवसर पर 50 जिलों, 395 ब्लॉकों, 11, 295 चायत एवं ग्राम स्तर पर सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत 1 करोड 10 लाख से अधिक पौधे लगाए जाने हैं, जिसमें पौधों की देख-भाल नरेगा योजनान्तर्गत की जायेगी।

मानव भव अत्यंत दुर्लभ और मूल्यवान है इसे व्यर्थ में न गवाएं: डॉ.प्रिती सुधा

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मानव भव अत्यंत दुर्लभ और मूल्यवान है इसे व्यर्थ में न गवाएं। बुधवार को पंचायती नौहरा जैन स्थानक मे चातुमार्सार्थ विराजित प्रखंर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा ने प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि इंसान अपनी खोयी हुई दौलत को मेहनत कर के दुबारा प्राप्त कर सकता है। लेकिन इस मनुष्य भव को दुबारा प्राप्त नहीं कर सकता है। दुर्लभ भव मिला है हम समय का सद उपयोग करेगें तभी मानव को सार्थक बना पाएंगे। साध्वी संयमसुधा ने कहा कि मनुष्य का शरीर अस्थायी और अशुद्धियों से भरा हुआ है। बावजूद इंसान अपने शरीर पर अभिमान ओर घमंड करता हैं। आत्मा की पवित्रता शरीर के सौंदर्य से नहीं, बल्कि तप, त्याग और धर्म की आराधना करने हम संसार मे महान बन सकते है ।निलिष्का जैन ने बताया कि कहीं बहनों ओर भाईयो ने बड़ी तपस्या ओर उपवास आदि के साध्वीवृंद से प्रत्याख्यान लिए जिनका श्रीसंघ के अध्यक्ष सुरेश चंद नागौरी महामंत्री रोशन लाल जैन तथा महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू सिरोया ने तपस्वीयो का सम्मान किया। **प्रवक्ता निलिष्का जैन**

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल के शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्रित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल ने अपनी सेवा गतिविधि में रक्तदान शिविर आयोजित कर जरूरतमंद मरीजों के लिये 70 यूनिट रक्त एकत्रित किया। क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि रक्तदान महादान की भावना के मोटीवेशन के साथ क्लब की और से अग्रवाल ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर संयोजक लायन चंदा बरवाडिया ने बताया की रक्तदान शिविर में लायन राधा नुवाल के साथ साथ 69 अन्य व्यक्तियों ने भी रक्तदान किया इस तरह शिविर में 70 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर के आयोजन में क्लब सदस्य ममता विजय, गोविंद नुवाल, ललित बाहेती एवं डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन राजकुमार गुप्ता ने सहयोग दिया।

अहंकार के विसर्जन से ही परमात्मा का दर्शन होता है : भावलिंगी संत विमर्श सागर जी

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

कृष्णा नगर जैन मंदिर दिल्ली में परम पूज्य जिनागन पंथ प्रवर्तक आदर्श महाकवि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज के विशाल चतुर्विद्धि संघ का अद्भुत चातुर्मास महोत्सव चल रहा है प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे भक्तामर महिमा का समय हो दोपहर 3:30 पर स्वाध्याय का समय हो शाम 6:30 भक्ति गंगा महोत्सव या टुडेज सॉल्यूशन का समय हो या फिर वेयावृती का समय हो गुरु भक्तों का कारंवा बढ़ता ही जा रहा है पूरी दिल्ली एन सी आर में यह चातुर्मास चर्चा का विषय बना हुआ है पूज्य आचार्य श्री का दमकता हुआ मुखमंडल एवं ओजस्य वाणी एवं चतुर्थ कालीन साधकों जैसी कठोर चर्या से प्रभावित हो दूर-दूर से सैकड़ो गुरु भक्त रोज कृष्णा नगर पधारकर धर्म लाभ ले रहे हैं। भक्तांमर महिमा में तृतीय काव्य की व्याख्या करते हुए भावलिंगी संत ने कहा कि जब भी परमात्मा के द्वार पर जाओ तो ज्ञान का अहंकार लेकर मत जाना धन वैभव का अहंकार लेकर मत जाना भगवान ने जैसा भक्त का स्वरूप बताया है वैसा ही विनयवान भक्त बनाकर प्रभु के द्वार पर जाना अगर भक्त बनकर जाओगे तो भक्ति का फल भी प्राप्त होगा और अहंकार लेकर जाओगे तो अहंकार का फल दुर्गति की प्राप्ति होगी भक्ति से भरा हुआ भक्त प्रभु के द्वारा से अपना पुण्य कोष भर के लौटता है और अहंकार से भरा व्यक्ति प्रभु के दरबार से पाप का अर्जन करके लौटता है जब तक श्रद्धा सच्ची नहीं होती और ज्ञान सम्यक नहीं होता तब तक परमात्मा को सम्मुख पाकर भी वह परमात्मा से भेंट नहीं कर पाता श्रद्धा सच्ची होती है तो भगवान सिद्धालय में भी क्यों ना हो भक्त उन्हें अपने श्रद्धालय में विराजित कर लेता है परमात्मा के सम्मुख बस इतना सहज सरल और विनम्र हो जाता है कि प्रभु के सम्मुख वह अपना कुछ और तत्व ही नहीं समझता है कहता भगवान में तो आकिंचन आपके चरणों का दास हूं और मेरे लिए सब कुछ आप हो। प्रतिदिन यमुना पार समाजों द्वारा गुरु चरणों में पधार कर सुभाषित प्राप्त करने का क्रम जारी है इसी क्रम में आज णवकार जैन समाज जमुना पार की कार्यकारिणी के सदस्य पधारे और गुरु आशीष प्राप्त किया प्रदीप जैन , संजय , देवेंद्र , विराग आदि पधारे आज के श्रावक श्रेष्टि बनने का सौभाग्य राजेश जैन, श्रीमती संध्या जैन राधेपुरी वालों ने प्राप्त किया।

भीलवाड़ा में पति-पत्नी एक साथ जैन भागवती दीक्षा ग्रहण करेंगे

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन भागवती दीक्षा के पावन प्रसंग के दौरान चार मंडल के द्वारा चौबीसी व बहुमान एवं राखी का कार्यक्रम किया गया। दिनांक 7-8-2024 बुधवार को दोपहर 3:00 बजे मुक्ता मिश्री जैन भवन ब्यावर पर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। भगवान महावीर के शासन में विजय सेठ व विजया सेठानी आदि ने जो मार्ग अपनाया वही मार्ग आप अपनाने जा रहे है। आप तप संयम की कठोर साधना करने के लिए तत्पर हुए हैं, आप दिनांक 14 अगस्त 2024 को भीलवाड़ा में दीक्षित होने जा रहे हैं। जिसमें पद-पद पर कष्ट - परीषह और संकट आते रहते हैं। उन सब कष्टों परीषहों और संकटों को शांतिपूर्वक सहते हुए साधना-पथ पर निरन्तर चलते ही रहने की आपकी तत्परता वास्तव में अभिनंदनीय है। आप ने ब्यावर सकल जैन समाज को गौरवान्वित किया हैं। कार्यकर्म का संचालन गौतम संचेती ने बहुत सुंदर तरीके से किया राजू भाई सेठिया ने बताया कि चोरों मंडल की तरफ से अभिनंदन पत्र एवं सोल माला पहनाकर बहुत बहुत अनुमोदना की सर्वप्रथम लोकशाह जैन महिला मंडल की तरफ से मंगलाचरण का कार्यक्रम किया गया किरण संचेती कांता सेठिया अंजना बडोला शिमला सेठिया मंजू संचेती पिंकी संचेती इसके बाद रक्षा सूत्र बांधकर सभी ने अलग अलग पचखान लिये ।

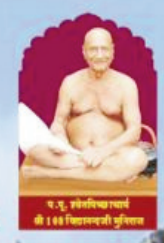

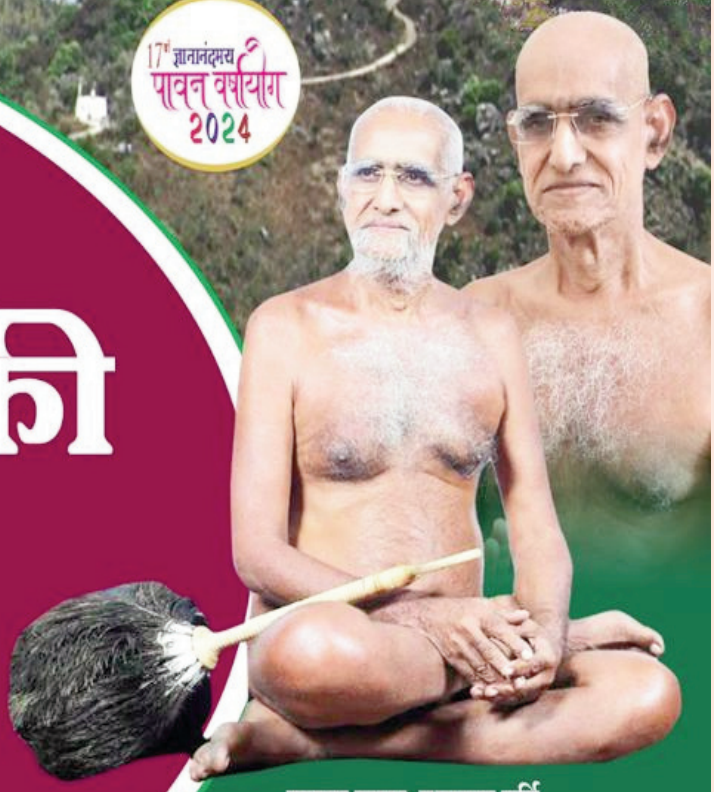

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट,
से. 11 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
23 वें तीर्थंकर श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के
मोक्षकल्याणक महोत्सव (मोक्ष सप्तमी) के अवसर पर
श्री पार्श्वनाथ भगवान
17वाँ ज्ञानानंदमय पावन वर्षायोग 2024
सम्मेदशिखर जी
की
भव्य झाँकी
एवं
23 किलो का
निर्वाण लाडू
रविवार, 11 अगस्त 2024
समय-प्रातः 8.30 बजे
वाचना प्रमुख, वात्सल्य मूर्ति
उपाध्याय 108 श्री वृषभानन्द जी मुनिराज
झाँकी उद्‌घाटनकर्ता
साधर्मी बन्धुओं को निवेदन है कि
सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर
धर्मलाभ प्राप्त करें।
प.पू. मुनि श्री 108 सदानंद जी मुनिराज
प.पू. क्षुल्लक 105 श्री पूर्णानंद जी महाराज
श्री शांति कुमार जी-ममता जी, प्रियतम जी-मयूरी जी,
समर्थ एवं समस्त सोगानी परिवार
सौगानी ज्वैलर्स (जापान वाले)
आयोजक : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति, से. 11 अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर
संयोजक
सुमत प्रकाश जैन
9414267852
महावीर जैन
7611928063
अध्यक्ष
पवन कुमार जैन
(नगीना वाले)
93145-17649
उपाध्यक्ष
डॉ. जे.के. जैन
94142-41054
उपमंत्री
महेन्द्र कुमार जैन
98295-31799
कोषाध्यक्ष
हेमन्त कुमार जैन
(एडवोकेट)
98280-23399
संगठन मंत्री
महीप जैन
93142-58842
मंत्री
अनिल कुमार जैन
(नसीराबाद वाले)
94140-49272
महिला मण्डल
अध्यक्ष
श्रीमती भंवरी देवी
9314551550
मंत्री
श्रीमती नीता जैन
9950208604
नवयुवक मण्डल
अध्यक्ष
सिद्ध कुमार सेठी
7014886189
मंत्री
मनीष जैन
9829899963
विद्या वसु पाठशाला
संयोजक
पंकज लुहाड़िया
9351302142
नरेन जैन
97841-36233
श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल एवं श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन युवा मंडल, विद्या वसु पाठशाला
सकल दिगम्बर जैन समाज, थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर

वेद ज्ञान

तनाव मुक्त रहना है तो लें योगनिद्रा

पूरी रात सोने के बावजूद जब सुबह उठकर आप थका हुआ और बोझिल महसूस करते हैं तो समझ लीजिए आप ने पूरी रात सोकर गुजार दी। इसकी वजह है कि आप नींद में स्वप्न देखते रहते हैं। क्या आपने कभी गिना है कि एक रात में आप कितनी बार करवटें बदलते हैं। कभी गर्मी लग रही है तो कभी मच्छर काट रहे हैं। कभी प्यास लग रही है तो कभी कुछ और दूसरी चीजें परेशान कर रही हैं। कभी-कभी थकान के मारे शरीर इतना अकड़ जाता है कि नींद आनी मुश्किल हो जाती है। नींद पूरी करने के बावजूद यदि थकान महसूस हो तथा मन बोझिल हो तो इसका सीधा अर्थ है कि आप तनाव में हैं। कई बार घर का वातावरण सामंजस्यपूर्ण नहीं होता है। अगर आपका मन तनाव में रहता है तो आपका शरीर कैसे स्वस्थ रह सकता है। कई शारीरिक समस्याओं की वजह भी तनाव हो सकता है। इसलिए यदि हम अपने मन को स्वस्थ रखेंगे तो शरीर भी स्वस्थ रहेगा। यदि आप हर तरह की चिंता त्यागकर जिएंगे, तो खूब जिएंगे। अगर चिंता में डूबे रहेंगे तो निश्चित तौर पर आप तनाव में रहेंगे तथा आपकी आयु भी प्रभावित होगी। इसलिए अपने आपको हर प्रकार की चिंताओं से मुक्त करने की कोशिश करें। पूरी तरह चिंता मुक्त होकर जीने की आदत डालें और इसे जीवन-शैली के रूप में अपनाएं। सत्संग करें, संतों के सान्निध्य में बैठें। उनसे ज्ञान प्राप्त करें और उस ज्ञान को अपने आचरण का अभिन्न अंग बनाएं। इसके साथ ही सुमिरन करें, क्योंकि सुमिरन के जरिए भी चिंता और तनाव से मुक्ति मिल सकती है। अब प्रश्न यह उठता है कि चिंताग्रस्त मन सुमिरन किस तरह कर सकता है। मन को चिंतामुक्त करने की एक अनोखी विधि है योगनिद्रा। योगाभ्यास प्रायः जाग्रत अवस्था में ही किया जाता है। योगाभ्यास की यह विशेष विधि लेटकर की जाती है। आप या तो जागते हैं या फिर गहरी नींद में सो जाते हैं। योगनिद्रा में आप पूर्णतः जाग्रत होते हुए भी शरीर और मन पर गहरी नींद के तमाम लक्षण अनुभव कर पाते हैं। योगनिद्रा शरीर को संपूर्ण विश्राम देकर पूरी तरह शिथिल कर देती है। यह हमें मानसिक और भावनात्मक विश्राम भी प्रदान करती है। योग निद्रा में सोना नहीं, जागना होता है। हमें पूरी तरह सजग और सचेत रहना होता है।

संपादकीय

भारत की सतर्कता और समझदारी सराहनीय...

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता और समझदारी की सराहना करनी चाहिए। सरकार ने संसद में कोई बयान देने से पहले बांग्लादेश के विषय पर जिस तरह सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया है, वह अनुकरणीय है। विपक्ष के लगभग सभी महत्वपूर्ण नेताओं की भी प्रशंसा करनी चाहिए कि सभी ने बैठक में भाग लिया और अपनी-अपनी बात रखी। किसी भी विवादित विषय पर कोई निर्णय लेने से पहले सर्वसम्मति बनाने की चेष्टा

सजीव लोकतंत्र का वही गुण है, जिसका अभाव बांग्लादेश में अक्सर उभरता रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को ऐसी स्थिति में कतई नहीं फंसना चाहिए, जहां सियासी पार्टियों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जाएं कि फौज दखल देने को मजबूर हो जाए। वाकई अगर बांग्लादेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी-अपनी सीमाओं का अंदाजा होता, तो यह नौबत नहीं आती। अब ऐसी नौबत आ ही गई है, तो कोशिश होनी चाहिए कि कम से कम खूनखराबा न हो। बहुत अफसोस की बात है कि शेख हसीना के देश से पलायन के बावजूद वहां हिंसा थमी नहीं है और कथित रूप से 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। यह एक बड़ा सवाल है कि वहां छात्रों को अब क्या नाराजगी है? क्या बांग्लादेश में छात्रों के नाम पर असामाजिक तत्वों ने फिर फन फैला लिया है? भारत ने ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र ने भी स्पष्ट कहा है कि हिंसा तत्काल रुकनी चाहिए और जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन होना चाहिए। सरकार का एक व्यवस्थित ढांचा जब सामने आएगा, तभी उपद्रवियों पर लगाम लगेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बताया है कि &ल्लु२स्र;कई जगहों पर अल्पसंख्यकों के व्यवसायों और मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट के बाद भारत सरकार बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित है। हालांकि, अफवाहों से भी सावधान रहने की जरूरत है। ऐसे अनेक तत्व होंगे, जो इस प्रकरण को सांप्रदायिक रूप देना चाहेंगे। जैसे, एक अफवाह उड़ी थी कि वहां की क्रिकेट टीम के सदस्य लिटन दास के घर पर उपद्रवियों ने हमला बोल दिया है। वास्तव में, बांग्लादेश से आ रही खबरों को दो-तीन बार परख लेने की जरूरत है। अनेक स्थानों पर बांग्लादेशी नागरिक ही अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए खडे.हो गए हैं। भारतीय विदेश मंत्री ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न समूहों और संगठनों की पहल का स्वागत किया है। बेशक, भारत ने शेख हसीना को बांग्लादेश से निकलने में मदद की है, पर विदेश मंत्री ने यह भी बता दिया है कि भारत ने शेख हसीना को संयम बरतने की सलाह बार-बार दी थी और आग्रह किया था कि हालात को बातचीत से सुलझा लें। अफसोस, हसीना ने सलाह पर गौर नहीं किया और अब यूरोप में शरण खोज रही हैं। यूरोपीय देश भी शरण देने से पहले चिंतित हैं, क्योंकि अब उनके यहां भी कट्टरता पैठ गई है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भारत की चुनौतीयां

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की चुनौतियां बढ़ती दिख रही हैं। मोदी सरकार ने शेख हसीना को शरण देकर अच्छा किया, लेकिन इसके नतीजे में बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं और बढ़ सकती हैं। वहां भारत विरोधी तत्व पहले से ही सक्रिय थे। शेख हसीना उन पर लगाम लगा रही थीं, लेकिन उनके भारत आने और बांग्लादेश लौटने की संभावनाएं शून्य होने के साथ ही पश्चिम ने जिस प्रकार उनसे मुंह मोड़ा, उससे साफ है कि भारत को बांग्लादेश में अपने हित सुरक्षित करना और कठिन हो सकता है। ब्रिटेन शेख हसीना को शरण देने को तैयार नहीं और अमेरिका ने तो न केवल उनका वीजा रद कर दिया, बल्कि वहां की सेना को यह जानते हुए भी सलाम किया कि वह अंतरिम सरकार में कट्टरंपथी तत्वों की भागीदारी के लिए भी तैयार है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि बांग्लादेश में सेना के वर्चस्व वाली अंतरिम सरकार का भारत के प्रति मित्रवत रवैया होगा। इस सरकार में घोर भारत विरोधी कट्टरपंथी संगठन जमाते इस्लामी के शामिल होने के साथ ही विपक्षी नेता एवं उन पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की भी भागीदारी हो सकती है, जिनसे भारत के संबंध कभी सहज नहीं रहे। यदि इस अंतरिम सरकार में उन तत्वों की भागीदारी बढ़ी, जो शेख हसीना को नई दिल्ली की कठपुतली बताते थे, तो भारत की चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। बांग्लादेश में भारत के नजरिये से असहमत पश्चिमी देशों के साथ चीन का भी दखल बढ़ने का अंदेशा है। चीन पहले से ही मालदीव एवं नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ा चुका है और पाकिस्तान तो उसकी गोद में ही बैठा है। वह श्रीलंका में भी अपना दबदबा बढ़ाने की ताक में है। एक अन्य पड़ोसी देश म्यांमार भी अस्थिरता से जूझ रहा है और वहां भी चीन का दखल साफ दिख रहा है। भारत की समस्या केवल यह नहीं है कि वह बांग्लादेश में अपने हितों की रक्षा कैसे करे, बल्कि यह भी है कि वहां के अल्पसंख्यकों और विशेष रूप से हिंदुओं को कैसे बचाए? आरक्षण विरोध के बहाने शेख हसीना को सत्ता से हटाने के आंदोलन के दौरान हिंदुओं पर छिटपुट हमले ही हो रहे थे, लेकिन तख्तापलट के बाद तो उनकी

शामत ही आ गई है। बांग्लादेश का शायद ही कोई ऐसा इलाका हो, जहां से हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों को निशाना बनाए जाने की खबरें न आ रही हों। शेख हसीना के शासन में बांग्लादेश के जो हिंदू खुद को थोड़ा-बहुत सुरक्षित महसूस करते थे, वे फिलहाल असहाय-निरुपाय दिख रहे हैं। चिंता की बात यह है कि सेना उनकी रक्षा को उतनी तत्पर नहीं दिख रही, जितना उसे दिखना चाहिए। भारत को बांग्लादेश के हिंदुओं को बचाने के लिए कुछ करना होगा, अन्यथा उनका वैसा ही बुरा हाल होगा, जैसे अफगानिस्तान में हुआ और पाकिस्तान में हो रहा है।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी लश्कर श्री नेमिनाथ स्वामी
बोरड़ी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर

एवं

श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ नसियाँ श्योजी गोधा
आमेर रोड़, जयपुर

1008 श्री नेमीनाथ भगवान
मंदिर जी, लश्कर मंदिर

1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान
नसियाँ श्योजी गोधा, आमेर रोड

श्री 1008 श्री नेमिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक
के शुभ अवसर पर

शोभायात्रा

एवं

श्री 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महापर्व पर

निर्वाण लाडू

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी लश्कर श्री नेमिनाथ स्वामी
बोरड़ी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर

शनिवार, 10 अगस्त 2024

भव्य शोभायात्रा

मांगलिक कार्यक्रम

प्रातः 7.00 बजे	शांतिधारा, अभिषेक, श्री नेमिनाथ भगवान की पूजा
प्रातः 8.00 बजे	श्री 1008 नेमिनाथ स्वामी की भव्य शोभायात्रा, मंदिर जी लश्कर, बोरड़ी के रास्ते से प्रस्थान कर मनिहारों का रास्ता, पं. शिवदीन जी का रास्ता, आचार्यों का रास्ता व वापस मंदिरजी लश्कर बोरड़ी के रास्ते में प्रवेश करेगी
प्रातः 9.30 बजे	श्री 1008 नेमिनाथ स्वामी अभिषेक
प्रातः 10.30 बजे	सामूहिक भोजन

श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ नसियाँ श्योजी गोधा
आमेर रोड़, जयपुर

रविवार, 11 अगस्त 2024

मांगलिक कार्यक्रम

श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान का

मोक्ष सप्तमी निर्वाण लाडू

प्रातः 8.00 बजे

अतः आपसे निवेदन हैं कि उक्त महोत्सव के
सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर धर्मलाभ उठावे।

आयोजक

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	उपमंत्री
भागचन्द साह 'अत्तार'	Er. रमेश साह	जिनेन्द्र कुमार चाँदवाड़	प्रदीप साह	शैलेन्द्र कुमार साह (चीकू)
9214863000	9414241007	7665020206	9829015088	9414238656

कोषाध्यक्ष	उप कोषाध्यक्ष	शास्त्र भण्डार रक्षक	प्रचार-प्रसार मंत्री
डॉ. सुशील कुमार कासलीवाल	युति प्रकाश जैन (पाटनी)	अजय गोधा	संदीप साह
9414461105	9351785234	9314504291	9829050791

सदस्य गण :-

कमल काला	Er. अशोक कुमार जैन	अजय साह	राजेन्द्र कुमार साह	महावीर प्रसाद साह	प्रवीण साह
9829056547	8696934093	9314643738	9414043359	9828020597	9799134175

विनीत : प्रबंधकारिणी समिति श्री दिगम्बर जैन मंदिर लश्कर तथा नसियाँ श्योजी गोधा, जयपुर

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, बोरड़ी का रास्ता एवं आमेर रोड़, जयपुर

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) मो. 9829050791

भक्तामर काव्य विधान की आराधना मे अभिषेक शांतिधारा की

टोंक. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य 108 इंद्रनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य बालाचार्य 108 श्री निपूर्ण नंदी जी महाराज के ससंघ सानिध्य में चल रहे भक्तामर काव्य विधान की आराधना में अनेक भजनों पर भक्तिमय के साथ प्रतिदिन विधान संपन्न हो रहे हैं जिसका समापन 15 अगस्त गुरुवार को अनेक धार्मिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा। समाज के सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं वषायोग प्रबंध समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया एवं मंत्री धर्मेंद्र जैन पासरोटियां ने बताया कि आगामी 11 अगस्त को रविवार को जैन धर्म के 23 वे तीर्थंकर पारसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याण पव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाएगा जिसमें 23 अलग-अलग परिवारों के द्वारा 23 लड्डू समर्पित किये जाएंगे जिनकी तैयारी शुरू कर दी गई है पदमपुरा पदयात्रा संघ के

प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि जैन नसिया में विधानों में प्रतिदिन अलग-अलग परिवारों के द्वारा अलग-अलग विधान की रचना की जाती है उन परिवारों के द्वारा पूजा अर्चना करके श्रीफलके अर्घ्य समर्पित किए जाते हैं जिसके तहत बुधवार को दोपहर में अभिषेक शांतिधारा के पश्चात सोधर्म इंद्र और कुबेर आदि इंद्रो के द्वारा विधान में अर्घ्य समर्पित किए गए तत्पश्चात पुण्य परिवार द्वारा टोंक जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल, नरेश बंसल, कजोड़मल कमलेश कुमार, महिला मंडल हाउसिंग बोर्ड प्यारचंद नरेश कुमार पारसमल अनिल कुमार मोहनलाल मदनलाल सूरजमल बर्धमान सूरजमल रमेश चंद विमल चंद रमेश कुमार परिवारों के द्वारा पूजा अर्चना की गई इस मौके पर महाराज के संघ के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किए गए शाम को प्रतिदिन मनोज जी शास्त्री के सानिध्य आरती, शास्त्रज्ञान स्वाध्याय प्रश्नमंच अनेक राजकुमार छामुनिया एवं हुकुम चंद देवली वालों ने आगामी 28 व 29 अगस्त को टोंक जैन नसिया से लगभग 1150 तीर्थयात्री सम्मेद शिखर जी जाएंगे जिनकी तैयारी शुरू कर दी गई है निपुण नंद जी महाराज ने अपने प्रवचनों में बताया कि कषाय के वशीभुत किया गया कार्य कभी सफल नहीं होता जब तक हमारे मन में क्रोध मान माया लोभ विद्यमान होंगे तब तक हमें धर्म की सिद्धि नहीं हो सकती हमारे परिणामों की जितनी निर्मलता होगी हम धर्म कार्य करते जाएंगे उतने ही जीवन में आगे बढ़ते जाएंगे और यह जब ही संभव है जब हम जिनेंद्र भगवान के दर्शन और अभिषेक कर कर अपने जीवन को सफल बनाए मुकेश महुआ ने ओ गुरु सा थारो चेलो वनु में मेरे सर पर रख दो बाबा अपने यह दोनों हाथ और टोली बना लो जी शिखर जी चालो जी, आदि भजनों के माध्यम से सभी श्रावको को भक्ति विभोर कर दिया।

एक पौधा मा के नाम अभियान के तहत ठीकरिया विद्यालय मे किया गया पौधारोपण : संजय जैन

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया। एक पौधा मा के नाम अभियान के तहत आज राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ठीकरिया मे खेल मैदान व विद्यालय परिसर मे पौधारोपण किया गया। अध्यापक संजय कुमार जैन ने बताया की समाजसेवी व भामाशाह सीए. सुनील भंडारी ने करंज,छल, अमरुद,अशोक कचनार, बिल पत्र, व अन्य प्रकार के पौधे उपलब्ध कराये जिन्हे सबने उत्साह के साथ लगाया।सबने उनकी सुरक्षा की भावना भी व्यक्त की ।विद्यालय का स्टाफ व बच्चो ने पौधारोपण किया।

सुमति धाम गोधा एस्टेट परिवार को मिला परम सोभाग्य

इंदौर. शाबाश इंडिया। एक बार पुनः होगा एक ऐतिहासिक आयोजन इंदौर नगर में गूंजायमान नमोस्तु शासन जयवंत हो । भव्याती भव्य ''पट्टाचार्य महामहोत्सव'' धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इंदौर के सुमति धाम गांधी नगर में होगा एक और अतिभव्य और ऐतिहासिक महाआयोजन परम पूज्य युग सर्वोत्कृष्ट समाधि सम्राट गणाचार्य गुरुवर श्री 108 विराग सागर जी महाराज का पट्टाचार्य पद परम पूज्य धरती के देवता चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनिराज को अनेको आचार्यों सहित 400 से अधिक साधु संतों का मंगल मय परम सानिध्य में विशाल संघ की उपस्थिति एवं लाखों समाज जन की उपस्थिति में होगा। यह भव्य आयोजन के संयोजक जैन समाज गौरव मनीष सपना गोधा परिवार के संयोजन में होगा भव्य आयोजन ।30 अप्रैल 2025 से 5 मंई 2025 तक सम्पन्न होगा ।

मोहनीय कर्म हमारी आध्यात्मिक संपन्नता का मुख्य अवरोधक है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। प्रमाद का त्याग करने वाला मनुष्य अपने जीवन का निर्माण ओर आत्मा का कल्याण करवा सकता है । बुधवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के तत्वावधान में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने विशाल प्रवचन धर्मसभा में श्रोताओ को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि भगवती सूत्र ऐश्वर्य युक्त है और ऐश्वर्य प्रदान करने वाला है। ऐश्वर्य यानी सर्व संपन्नता से युक्त। मोहनीय कर्म हमारी आध्यात्मिक संपन्नता का मुख्य अवरोधक है। उन्होंने कहा पूरे संसार में नशे का बोलबाला है। नशा व्यक्ति की समृद्धि को नष्ट करने वाला है। वह आत्मशक्ति को नष्ट करने वाला है। मोहनीय कर्म के उदय से बाहरी व्यवहार में उल्टा- पुल्टा कर देता है। मिथ्यात्व मोहनीय कर्म को पहले समाप्त करना होगा, फिर उपशम करके आगे बढ़ सकते हैं। इसके लिए प्रमाद के स्वरूप को छोड़ना जरूरी है। युवाचार्यश्री ने कहा कि यह शरीर, जहां हमारा जीव रहता है, उसमें 5 इंद्रियां इस जीव को लूटने के लिए तत्पर रहती है। इन इंद्रियों में तल्लीन हो जाना एक तरह से प्रमाद है। यह विषय को कुछ अच्छा लगता है। नशा, इंद्रियों के विषय, कषाय, ये सभी प्रमाद है। प्रमाद का अर्थ होता है जहां व्यक्ति अपने लक्ष्य को भूल जाता है। मोहनीय कर्म का उदय वहां से होता है। प्रमाद हमारे योग, मन-वचन-काया के कारण होता है। आत्मा और योग के संपर्क से होने वाला स्पंदन योग है। ज्ञानियों ने स्पष्ट बता दिया हमें कहां फोकस करना है। योग इस जीव का उत्थान कार्य को पूरा करता है। यह प्रत्येक क्रिया के पीछे रहा हुआ सिस्टम है। उन्होंने कहा जब तक मिथ्यात्व प्रमाद होता है, मोहनीय कर्म का बंध होता है। जब पुरुषार्थ करेंगे, यह कर्म बंध नहीं होगा। हमें समझना होगा कि प्रमाद के कारण हमारा जीव निगोद से कई योनियों में चला है। निगोद से निकलकर हम आज जिस स्थिति में है, उसमें कितना समय लगा होगा। प्रमाद का त्याग करके तभी हम अपनी आत्मा संसार उत्थान करवा पाएंगे। इस दौरान संगीता बंगाणी ने 10 उपवास के पचक्खाण ग्रहण किया। एक भाई ने 21 उपवास के पचक्खाण ग्रहण किया। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि आगामी शनिवार सायं 5 बजे मशहूर गणितज्ञ डॉ. अनुपम जैन का 'जैन धर्म में गणित का रहस्य' विषय पर विशेष वक्तव्य होगा। धर्मसभा में उदयपुर लोकाशाह जैन संघ के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, पूना से मनसुख भाई और जलगांव से युवाचार्य ग्रुप के सदस्यों ने गुरु दर्शनार्थ व वंदनार्थ पधारे। नवकार मंत्र जाप के लाभार्थी मूलचंद दिनेश कुमार मेहता परिवार वेपरी थे। कमल छल्लाणी ने धर्मसभा का संचालन किया।

नीता अंबानी ने इंडिया-हाउस में भारतीय एथलीट्स का स्वागत किया

पेरिस. शाबाश इंडिया

ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले समेत कई भारतीय एथलीट्स ने इंडिया हाउस में भारतीयता का उत्सव मनाया। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन, मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, स्कीट निशानेबाज महेश्वरी चौहान, अनंतजीत सिंह नरूका, निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, अंजुम मोदगिल, सिफत कौर समरा, ईशा सिंह, रायजा ढिल्लों, अनीश भानवाला, विजयवीर सिद्धू, मुक्केबाज निशांत देव और एथलेटिक्स टीम के अक्षदीप सिंह, परमजीत सिंह बिष्ट, विकास सिंह, तजिंदरपाल सिंह तूर, अंकिता ध्यानी, जेसविन एल्ड्रिन और पारुल चौधरी उपस्थित रहे। नीता अंबानी ने मनु भाकर को प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा, पिछले हफ़्ते पेरिस में हरियाणा के एक गांव की 22 वर्षीय लड़की ने इतिहास रच दिया और दुनिया को अपने सपनों, जुनून और कड़ी मेहनत की ताकत दिखाई। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। आपकी उपलब्धियों से हर भारतीय प्रेरित है और भारत की हर लड़की सशक्त महसूस करती है। उन्होंने आगे कहा, पदक और रिकॉर्ड से परे, खेल मानवीय जज्बे, चरित्र और कड़ी मेहनत का प्रतीक हैं। हमारे एथलीट्स ने पेरिस में यही जज्बा दिखाया है। कार्यक्रम में एथलीट्स ने भारतीय भोजन का भी आनंद लिया।

ताइक्वांडो राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दैविक सिंगल ने जीता कांस्य पदक

कोटा. शाबाश इंडिया। डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि 7 वी केडेट राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 1 से 4 अगस्त विशाखापटनम राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई जिसमें केडेट वर्ग में देविक सिंगल ने ब्रांज मेडल प्राप्त किया। कोटा पहुँचने श्रीनाथ पुरम स्टेडियम माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस पर राजस्थान सेकेट्री लक्ष्मण हाड़ा व मनोज कुमार व राजस्थान टीम मनेजर शिवानी सिंगल ने बधाई दी।

जे एस जी अनंता ने किया वृक्षारोपण
"एक पेड़ दोस्ती के नाम"

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जे एस जी अनंता के सदस्यों ने अंतराष्ट्रीय मित्रता दिवस एवं हरियाली अमावस्या को अनोखे अन्दाज में मनाया। अनंता के सदस्यों ने अपने मित्र एवम् प्रियजनों के नाम पर स्वरूप सागर रोड तथा चौगान जैन मंदिर के पास 21 पेड़ लगाए। वृक्षारोपण सहायक नमोकर ट्रस्ट थे। नमोकर ट्रस्ट इन पेड़ का खयाल रखेगा तथा समय समय पर पेड़ों की स्थिति के बारे मे जानकारी देता रहेगा। अपने प्रियजन का नाम पेड़ पर देखना एक भावुक पाल था। इस अवसर पर जेएसजीआईएफ संयुक्त सचिव एवम् अनंता के संस्थापक अध्यक्ष मोहन बोहरा ने इस अनोखे कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा कहा, पेड़ों तथा पौधों का दोस्त बनना एक गर्व का विषय है. यह एक ऐसी दोस्ती है जो पर्यावरण संरक्षण तो करती ही है भविष्य में जो हमारी पीढ़ी होगी उसको भी सुरक्षित करने का वादा करती है। मेवाड़ रीजन चेयरमेन अनिल नाहर ने सभी को शुभकामनाएं दी।

सचिव महेश पोरवाल, कोषाध्यक्ष गजेंद्र जोधावत, संयुक्त सचिव हिमांशु मेहता, जोन कॉर्डिनेटर सी एस बोलिया उपस्थित थे। अध्यक्ष डॉ शिल्पा नाहर ने बताया कि एक "पेड़ दोस्ती के नाम" मुहिम को निरंतर जारी रखेंगे। सचिव राजेश सिसोदिया ने सभी का धन्यवाद दिया। ललित कच्छारा,राजकुमार बाबेल, शशिकांत जैन, विनोद पगारिया, सुंदर नीनाजी तलेटिया आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे।

डा.अखिल बंसल सोशल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने
सोशल मीडिया फाउंडेशन एवं अथाई समूह का दो दिवसीय अधिवेशन सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। सोशल मीडिया फाउंडेशन एवं अथाई समूह के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन सानंद संपन्न हुआ। जिसमें देश के 12 राज्यों से लगभग डेढ़ सौ पत्रकार व साहित्यकारों ने भाग लिया। प्रथम दिवस सोशल मीडिया व द्वितीय दिवस अथाई समूह के अधिवेशन में मुख्य अतिथि क्रमशः जस्टिस जे.के. रांका तथा जस्टिस एन.के .जैन की उपस्थिति रही। अध्यक्षता का दायित्व सुधांशु कासलीवाल एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एन के खींचा ने निभाया। समारोह के विशिष्ट अतिथि आकाशवाणी जयपुर की सहायक निदेशक रेशमा खान, प्रसिद्ध कलमकार फारुख अफरीदी, डॉक्टर संजीव भानावत, सुरेन्द्र पाण्डया, अनिल काठमांडू शैलेनद्र अलीगढ़ ,डीपीआर के पूर्व अतिरिक्त निदेशक गोपाल प्रभाकर तथा किशोर भाई भंडारी पुणे थे। मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवलन के पश्चात सोशल मीडिया के संस्थापक किशोर भाई भंडारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ अखिल बंसल व महासचिव पद के लिए अर्जुन सिंह चंदेल उज्जैन को मनोनीत किया। जस्टिस जे.के. रांका ने नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। पत्रकारों और साहित्यकारों ने मिलकर वर्तमान और भविष्य की चिंताओं पर गहन मंथन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकारों एवं साहित्यकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। जोधपुर की शोभा टंडन को डॉक्टर अखिल बंसल : वाग्मिता पुरस्कार एवं जबलपुर के राजेश पाठक 'प्रवीण' को बुंदेलखंड गौरव सम्मान के अलंकरण से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किशोर भाई भंडारी तथा डा.अखिल बंसल का भी अभिनंदन किया। साहित्यकारों ने रात्रि 12:00 बजे तक काव्य पाठ कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर अनेक कृतियों के विमोचन अतिथियों द्वारा किए गये।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

उम्मीद भी एक जिद है..!

आज हर एक आदमी, उम्मीद - आस और विश्वास के साथ जीवन घिसट घिसट कर जी रहा है। थके हारे उबाऊ जीवन जीने वाले लोगों को देखकर लगता है कि जीवन सचमुच अन्धकार मय है। यदि आकांक्षाएं न हो तो जीवन प्रकाशमय हो सकता है। क्योंकि विवेक के बिना सारी इच्छाएं, आकांक्षाएं अन्धी है, सारा ज्ञान व्यर्थ है यदि तदनुरूप आचरण न हो। जब आप सेवा, परोपकार, धर्म और सत्संग को बिना इच्छा और अपेक्षाओं से करते हैं, तो स्वयं के स्वभाव और परमात्मा को अपने निकट पाते हैं। परमात्मा के निकट से तात्पर्य है - संकल्प से चलना और समर्पण से पहुंचना। संकल्प और समर्पण का तभी फल सम्भव हो सकता है, जब हम आत्म विश्वास से भरे और दृढ़ निश्चय से चलें। सकारात्मक सोच और उत्साही मन ही हमारे सभी कार्यों की सफलता है। यदि आप दुःख में से सुख खोजना चाहते हैं तो सुख खोज सकते हैं, बशर्त है सकारात्मक सोच...!!! **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

।। श्री नेमिनाथाय नमः ।।

मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनारजी

तपोभूमि एवं छोटा गिरनार तीर्थ प्रणेता प.पू. आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागरजी मुनिराज की प्रेरणा से

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

1008 श्री नेमिनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव

सावन शुक्ला षठमी, शनिवार, 10 अगस्त 2024

मंगल आशीर्वाद

तपोभूमि प्रणेता प.पू. आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी मुनिराज

शनिवार 10 अगस्त से रविवार 11 अगस्त 2024

बस रवानगी - 10 अगस्त 2024 को प्रातः 6.30 बजे दुर्गापुरा से

रात्रि विश्राम - अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी

वापसी - 11 अगस्त 2024 को रात्रि 10.00 बजे दुर्गापुरा में

सहयोग राशि - रु. 1100/- प्रति यात्री

बुकिंग हेतु अन्तिम तिथि - बुधवार, 7 अगस्त 2024

बुकिंग हेतु 7 अगस्त तक टोकन मनी रु. 500/- प्रति यात्री अवश्य जमा करवायें।

बसें प्रातः 6.30 बजे दुर्गापुरा जैन मन्दिर में मुनि श्री 108 पावनसागर जी एंव मुनिश्री 108 सुभद्रसागर जी मुनिराज के दर्शन करके रवाना होंगे, छोटा गिरनारजी बापूगाँव में

अभिषेक, शान्तिधारा व पूजन

पश्चात् निवाई में मुनिश्री 108 अनुसरणसागर जी मुनिराज, जैन नसियाँ टोंक में मुनि श्री 108 निपुणंनंदी जी मुनिराज, कोटा में मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी मुनिराज, चांदखेड़ी, झालरापाटन में आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज जहाजपुर में गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माता जी, मालपुराम में आर्यिका श्री 105 विष्णुप्रभा माताजी ससंघ के दर्शन करते हुए 11 अगस्त को रात्रि में 10 बजे दुर्गापुरा पहुँचेंगे।

टिकिट प्राप्ति स्थलः

विमल कुमार गंगवाल, दुर्गापुरा **88904 29428**

प. विनोद कुमार शास्त्री, मानसरोवर **98280 76193**

नरेश बाकलीवाल, दुर्गापूरा **98296 81717**

टिकिट प्राप्ति स्थलः

पारस मल बाकलीवाल, नन्द कॉलोनी **99287 47402**

रमेश चन्द गंगवाल, निमोड़िया **99293 43728**

केवल चन्द गंगवाल, चित्रकुट कॉलोनी **93526 69300**

नाश्ता व दोनों समय के भोजन की व्यवस्था है।

संयोजक

श्री नेमिनाथ यात्रा संघ

दुर्गापुरा जयपुर

नोटः- (1) कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के फेरबदल का अधिकार संयोजक को रहेगा (2) टोकन मनी जमा करवाने के बाद ही सीट बुक मानी जाएगी, अन्यथा सीट बुक नहीं मानी जाएगी (3) सीट पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दी जायेगी (4) अपने साथ पानी की बोतल अवश्य लेवे (5) कृपया समय का विशेष ध्यान रखें।

हर किसी को नहीं मिलता जिनवाणी श्रवण का सौभाग्य,सुपात्र को ही मिलता लाभः आचार्य सुंदरसागर महाराज

दूसरों की लकीर छोटी मत करो अपनी लकीर को लंबी करो

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

उत्तम वस्तु उत्तम पात्र में ही शोभा देती है। जिनवाणी का श्रवण हर कोई नहीं कर सकता जिसमें जिनवाणी सुनने की पात्रता होगी वह ही इसका लाभ ले पाएगा। मिथ्यादृष्टि जीव को जिनवाणी समझ में नहीं आएगी ओर उसे आत्मा की बात अच्छी नहीं लगेगी। ऐसी जीवात्मा को कषायों व रागद्वेष की बात ही अच्छी लगती है। भगवान महावीर की पावन वाणी हर जीव का कल्याण करती है इसीलिए अन्य प्राणियों को भी जिनवाणी सुनाई जाती है। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक(वर्षायोग) प्रवचन के तहत बुधवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हर जीवात्मा का अपना स्वभाव होता है जिसे आसानी से बदला नहीं जा सकता। हमारे भाव हमारे पास होने से कषायों को मंद करना चाहिए। कषाय करना जीव का स्वभाव नहीं है क्योंकि आत्मा का स्वभाव तो ज्ञानानंदी है। आचार्यश्री ने अहम ओर अभिमान त्यागने की प्रेरणा देते हुए कहा कि कभी मुंछ की लड़ाई में धर्म नहीं छोड़ना चाहिए। समातभाव में रहेंगे तो भगवान बन जाएंगे। समता निर्मलता बाहर नहीं मिलती यह आत्मा के भीतर ही होती है। आत्मजागृति के लिए सम्यक दर्शन चाहिए। ज्ञानियों ओर साधु संतों को देखकर अपने कषाय छोड़ने का प्रयास करना चाहिए। जीवन में कभी भी दूसरों की लाइन छोटी करने का प्रयास नहीं करके हमेशा अपनी लाइन बड़ी करने का भावना रखनी चाहिए। इससे पूर्व प्रवचन में क्षुल्लिका सुज्ञप्तिमति माताजी ने कहा कि हमेशा हम जैसा सोचते है वैसा ही नहीं होता है। कई बार सोचते है ऐसा नहीं होता तो कितना अच्छा रहता। हम अधिकतर दूसरों की बुराईयां ही देखते है उनकी अच्छाईयों की तरफ हमारा ध्यान नहीं जाता है। परनिंदा करना ओर अपनी प्रशंसा करना नीच गौत्र का बंध करता है इसलिए इंसान को हमेशा दूसरों की निंदा करने ओर अपने मुंह से अपनी तारीफों के पुल बांधने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम दूसरों की प्रशंसा ओर स्वनिंदा करके अपनी विशुद्धि को बढ़ा सकते है। आत्मालोचना जीवन में श्रेष्ठता का प्रतीक है। जैसी हमारी दृष्टि व भावना होगी वैसी ही सृष्टि नजर आएगी इसलिए हमेशा इनको शुद्ध व पावन रखना चाहिए। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा के शुरू में मंगलाचरण उमंग भैया ने किया। प्रवचन के शुरू में श्रावकों द्वारा दीप प्रज्वलन,पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण किया गया। संचालन पदमचंद काला ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि पूज्य आचार्य सुंदरसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में 11 अगस्त को मोक्ष सप्तमी महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 6.15 बजे मंगलाष्टक, जिनाभिषेक शांतिधारा व निर्वाण काण्ड वाचन के बाद निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा। सुबह 8.15 बजे से प्रवचन होंगे। दोपहर 1.15 बजे मंदिर में पार्श्वनाथ विधान सामूहिक पूजा होगी। शाम 6.15 बजे से शंका समाधान सत्र होंगे एवं शाम 7.15 बजे से आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी के मंगल सानिध्य में विशेष कार्यक्रम होगा।

भागचंद पाटनी मीडिया प्रभारी

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नावा सिटी में प्रार्थना सभा मेहमान कार्यक्रम का किया जा रहा है शानदार आयोजन

नावा सिटी. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नावा सिटी में प्रार्थना सत्र मेहमान के रूप में आज नावा स्टूडेंट क्लब और नावा सोशल सर्विस कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष लुकमान शाह और युवा समाजसेवी व रेल रोको आंदोलन के प्रणेता मनोज गंगवाल ने शिरकत की। इस दौरान लुकमान शाह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने समय और संसाधनों का कुछ अंश समाज सेवा में समर्पित करना चाहिए और मोबाइल और सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करना चाहिए । समाजसेवी मनोज गंगवाल ने अपने प्रेरणादाई संबोधन में विद्यार्थियों को संगठित होकर छात्र जीवन से ही विकास के लिए समर्पित रहने का संदेश दिया तथा 13 अगस्त से प्रारंभ होने वाले रेल महा आंदोलन की प्रथम वर्षगांठ एवं नावा एकता दिवस के उपलक्ष में आयोजित होने वाले एकता सप्ताह में बढ़ चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। व्याख्याता मनोज कुमार मिश्रा और रामनिवास चावला ने विद्यार्थियों को दोनों समाजसेवियों के जीवन और विकास के लिए संघर्ष के बारे में विद्यार्थियों को परिचित करवाया । प्रधानाचार्य दीपक कुमार गौड ने विद्यार्थियों को दोनों अतिथियों के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का संदेश दिया ।

हरियाली तीज पर निकली तीज माता की सवारी

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी । श्री महावीर जी में हरियाली तीज का पर्व हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया गया। सांय 5:30 बजे तीज की सवारी बैंड बाजे के साथ मुख्य मंदिर से बगीची तक तीज की सवारी निकाली गई मुख्य मंदिर के प्रबंधक नेमी कुमार पाटनी, विशेषाधिकारी विकाश पाटनी ने बताया हरियाली तीज कर मोके पर कस्बे में मुख्य मंदिर से बगीची तक तीज की सवारी निकाली गई ' जिंसमे गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भव - तन - भोग यह तीन भ्रम है, इनकी सत्यता को समझाये, वो ही धर्म है: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर गुरुवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

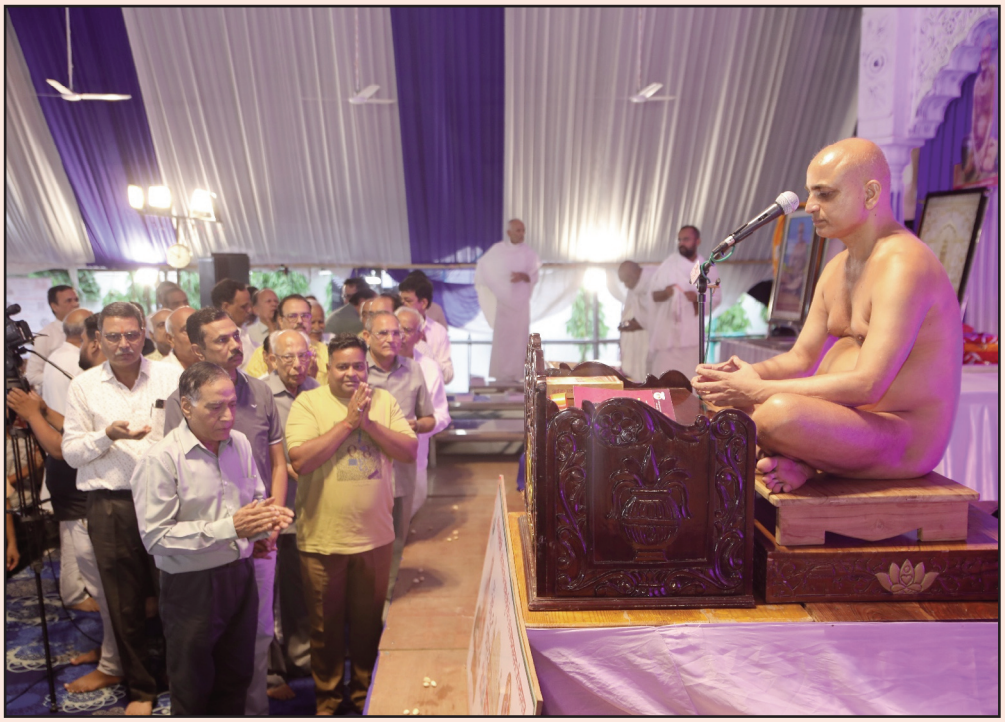

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के चार भव पूर्व के वृतांत के अन्तर्गत बताया कि वज्रनाभि चक्रवर्ती निर्ग्रन्थ मुनि का दर्शन करता है तो उसे अपना राज, तन व अन्य प्रकार के सुख निर्गन्थों के दिगम्बरत्व के आगे बेबस लगने लगता है। मुनि श्री ने कहा कि अपने परिचित की असमय को निकट देखना, यह सोचना कि जिन्दगी जिन्दा कहा है, फिर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के दर्शन होना और यह महसूस करना कि जिन्दगी जिन्दा यहा है। जब तक जीव अलौकिश सुख से सम्पन्न नहीं होता है तो वह लौकिक सुख को भी प्राप्त नही कर सकता है। मुनि श्री ने कहा कि सच्चे देव शास्त्र गुरु को अपनाने से और उनके बताये हुए मार्ग पर चलने से सात तत्वों का ज्ञान भी प्राप्त हो जाता है। भव - तन - भोग यह तीन भ्रम है इनकी सत्यता को समझाये, वो ही धर्म है। मुनि श्री ने धर्म को परिभाषित करते हुए बताया कि संसार - शरीर - भोगों का स्वरुप सही समझना ही धर्म है। इससे पूर्व शुभम भैया एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात मुनि निष्कलंक सागर एवं क्षुल्लक समन्वय सागर के गृहस्थ अवस्था के परिजन विनय जैन जबलपुर परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के कोषाध्यक्ष विवेक काला, पूर्व मुख्य सचिव अशोक जैन, पूर्व लोकायुक्त पदम चन्द जैन, श्री श्रमण संस्कृति संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, राजस्थान जैन सभा जयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, महावीर जी क्षेत्र के प्रशासनिक समन्वयक भारतभूषण जैन एवं अपभ्रंश साहित्य अकादमी छात्रावास के

छात्रों ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के संगठन मंत्री अशोक सेठी एवं सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरुवार 8अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

भव - तन - भोग यह तीन भ्रम है इनकी सत्यता को समझाये, वो ही धर्म है। मुनि श्री ने धर्म को परिभाषित करते हुए बताया कि संसार - शरीर - भोगों का स्वरुप सही समझना ही धर्म है।

रविवार को मनायेगे मुकुट सप्तमी एवं भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव: संगठन मंत्री अशोक सेठी ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार 11 अगस्त को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा ।इस मौके पर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की रचना की झांकी सजाई जाएगी। प्रातः 6.30 बजे से भगवान पार्श्वनाथ की पूजा एव श्री कल्याण मंदिर पूजा विधान साजो के साथ किया जाएगा। प्रातः 8.00 बजे निर्वाण लाडू चढाया जायेगा। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें ।

जैन सोश्यल ग्रुप फैडरेशन का सेवा पखवाड़ा शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया

बन्धुत्व से प्रेम एवं प्रेम के साथ सेवा के उद्देश्य को लेकर मानव व समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत विश्व की सबसे बड़ी दम्पति सदस्यों की संस्था जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन मुम्बई के तत्वावधान में पूरे देश में मनाये जा रहे फैडरेशन सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जेएसजीआईएफ नार्दन रीजन के निदेर्शानुसार मानव व समाज सेवा में अग्रणी महिलाओं की संस्था संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो जयपुर के बैनर तले कई सेवा कार्य किये गये। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा ने बताया कि सर्वप्रथम दुगार्पुरा स्थित गौशाला में सदस्याओं द्वारा गौ सेवा की गई। इस मौके पर गायों को गुड़, सब्जियां, फल, हरा चारा खिलाया गया। इस मौके पर संगिनी अध्यक्ष अम्बिका सेठी, निवर्तमान अध्यक्ष मैना जैन, सचिव रेखा पाटनी, कोषाध्यक्ष दीपा गोधा, कार्यकारिणी सदस्या सुनिता जैन सहित अमिता अजमेरा, सन्ध्या जैन व अन्य सदस्याओं ने गौ सेवा कार्य किया।

वृद्धाश्रम में की वृद्धजनों की सेवा: प्रतापनगर के सैक्टर स्थित आशीर्वाद वृद्धाश्रम में संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की ओर से वहां रह रहे वृद्धजनों को सदस्या कोमल जैन के सहयोग से भोजन, फल एवं मिठाई वितरण कर सेवा कार्य किया गया।

बच्चों को संपत्ति ही नहीं संस्कार भी दें पिता : आचार्य पुलक सागर महाराज

आज के भटकते युवाओ को सही रास्ते पर लाने के गुर बताये

ऋषभदेव. शाबाश इंडिया। भारत गौरव राष्ट्रीय संत आचार्य पुलक सागर महाराज ने कहा कि माता-पिता का प्रयास अपने बच्चों को चरित्रवान बनाना होना चाहिए। अभिभावक अपने बच्चों को सिर्फ संपत्ति ही नहीं बल्कि अच्छे संस्कार भी दें, जिससे वे समाज में आदर्श स्थापित कर सकें। नया बस स्टैण्ड पर चल रहे 15 दिवसीय ज्ञान गंगा महोत्सव में बुधवार को दिगंबर जैनाचार्य ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है, जो संत एवं गृहस्थ जीवन पर भी लागू होता है। आने वाली पीढ़ी को विरासत में कुछ न कुछ देने की प्राकृतिक परंपरा है। भगवान महावीर ने दिगंबर संतों को जो विरासत दी है, उसे हम तप और त्याग से समृद्ध कर रहे हैं। बड़ी से बड़ी सत्ता संतों के समक्ष शीश झुकाती है।

आचार्यश्री ने पिता की भूमिका और उसकी विरासत पर रोशनी डालते हुए कहा कि पिता को ऐसा स्वभाव बनाना चाहिए, जिसे उसके बच्चे पाने की आकांक्षा रखें तथा आदर्श बनें। पुरुष का पत्नी, बच्चों, परिवार के सदस्यों एवं समाज के प्रति व्यवहार सद्भाव एवं उच्च चरित्र से परिपूर्ण होना चाहिए। यही अपने बच्चों को देने योग्य विरासत मानी जा सकती है। यह नियम स्त्री एवं पुरुष दोनों पर लागू होता है। अभिभावक अपने बच्चों को विरासत में सिर्फ संपत्ति ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार भी दें। उन्होंने कहा कि जिस पिता के पास कुछ नहीं होता है, वह चरित्र, नाम ख्याति एवं ज्ञान अपने बच्चों को दे सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि पुत्र ऐसे बनो जिसे पिता भी नमन करे और गर्व महसूस करे। समाज को वंश वृद्धि की अपीलः आजकल सिमित छोटे परिवार हो गये है और बच्चो को पढने के लिए बाहर भेज देते है बच्चा बाहर क्या कर रहा है पता नही चलता और गलत संगत मे पड़ कर अपना जीवन बर्बाद कर देता है इससे पूर्व दिप प्रज्जवलन नगर सेठ राजमल कोठारी समाज के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन जिनशरण के ट्रस्टी सुमेश वाणावत मंगलाचरण सम्यक ग्रुप ने शुरूआत की और रजत कलश के लाभार्थी पुष्पदन्त भंवरा परिवार का समाज की ओर से अभिनन्दन किया गया संचालन महामन्त्री प्रदिप जैन ने किया।

कारगिल विजय दिवस की 25 वी वर्षगांठ पर माउंट एलब्रूस पर लहराएगा मां भारती का तिरंगा

नागौर. शाबाश इंडिया

मेवाड़ की शान को पहले भी कई बार अपने कारनामों से ख्याति दिलाने वाले प्रिंकेश जैन अब एक नया इतिहास रचने को तैयार है । आजादी के अमृत महोत्सव और 78वीं वर्षगांठ और कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में प्रिंकेश जेन अपने अन्य तीन साथी चेतन नाकरानी, धानाजी पनाले,कमलेश भक्तानी के साथ माउंट एलब्रुस (5642 मीटर) जो यूरोप एवं रूस महाद्वीप की सबसे बड़ी पर्वत श्रृंखलाओ में शामिल है ,फतह करेंगे और भारत का तिरंगा फहराएंगे।साथ ही कारगिल के शहीद हुए 527 जवानों को समर्पित करेंगे । प्रिंकेश जैन पूर्व में भी कई वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुके है जिनमें चादर ट्रेक, माउंट कनामो, कांग यातसे और कई 6000 से 7000 मीटर की चोटियां शामिल है ।इसी कड़ी में आज प्रिंकेश जैन एवम टीम का सम्मान नेशनल वॉर मेमोरियल दिल्ली में शहीद परिवारों के द्वारा सम्मान किया गया। शहीद कैप्टन कनिका भारद्वाज की माता, शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश गुलाटी की पत्नी, शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल रिषुभ शर्मा की पत्नी, शहीद लेफ्टिनेंट किरण शेखावत के पिता, जूली शर्मा, निखिल मतालिया, पंडित अभिषेक गौतम एवम सेना के कुछ बड़े अधिकारी मौजूद रहे।

दिगंबर जैन मंदिर के सामने आईडीबीआई बैंक की मालवीय नगर शाखा का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

ग्राहको की सुविधाओ के लिए और अधिक से अधिक जन मानस को बैंकिंग सुविधाओ से जोड़ने के लिए आईडीबीआई बैंक ने किया मालवीय नगर शाखा का दिनांक 06.08.2024 को शुभारम्भ। बैंक की 2000 वी शाखा का उद्घाटन दिल्ली से पधारे बैंक के मुख्य महाप्रबंधक एवं दिल्ली अंचल कार्यालय प्रमुख रंजन कुमार रथ ने किया। बैंक मे ग्राहको की सुविधाओ हेतु, बचत खाता, चालू खाता, लॉकर, एवं सभी प्रकार के ऋण सुविधा उपलब्ध रहेगी। उद्घाटन के अवसर पर बैंक मे मालवीय नगर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जहा सभी ने बैंक की मालवीय नगर शाखा की प्रगति के लिए शुभकानाए दी। इस अवसर पर बैंक के महाप्रबंधक रवि गुलशनकुमार विजन ने सभी ग्राहको का स्वागत किया और सभी को बैंक की और से श्रेष्ठ सेवाओ का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बैंक के मुख्य महा प्रबन्धक रंजन कुमार रथ ने बैंक के राजस्थान मे बैंक की शाखाओ के विस्तार कार्यक्रम से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर मालवीय नगर वार्ड 131 के पार्षद गोविंद छीपा ने सभी बैंक अधिकारियों का मालवीय नगर क्षेत्र मे बैंक की शाखा खोलने पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मालवीय नगर बैंक के शाखा प्रमुख एवं सहायक महाप्रबन्धक विपिन कुमार जैन एवं सभी शाखा कर्मियों ने सभी ग्राहको को उत्कृष्ट सेवाओ का संकल्प लिया।

अंकित भट्ट का गीत कुछ तो बोलो सोशल मीडिया पर रिलीज हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। युवा संगीतकार और गायक अंकित भट्ट का गीत कल्पना संगीत विद्यालय के राजन सभागार में संगीतकार साहित्यकारों एवं संगीतप्रेमियों के बीच रिलीज किया गया । गाना कुछ तो बोलो मुख तो खोलो का गायन और संगीत स्वयं अंकित भट्ट का है और कल्पना ऑडियो एंड फि ल्म्स की प्रस्तुति है गीत प्रसिद्ध संगीतकार गायक लेखक पंडित आलोकभट्ट ने लिखा है और इसका तकनीकी पक्ष को माधव सक्सेना सरस ने संवारा है। कुछ तो बोलो सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जम्बूस्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा ने किए 450 पौधे वितरित

बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र जम्बू स्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा द्वारा हरियाली तीज के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय व सीनीयर विद्यालय बोलखेड़ा में सागर चन्द जैन दिल्ली (बोलखेडा वाले) के माध्यम से विद्यालय के बच्चों को 450 पौधों का वितरण किया गया जिससे गांव में सघन वृक्षारोपण हो सके।

विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश शर्मा व प्रधानाचार्य लीना सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संपूर्ण राजस्थान में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर हरियालो राजस्थान बनाने की मुहिम चलाई जा रही है। जिसमें सहयोग प्रदान करते हुए बोलखेड़ा ग्राम में जम्बूस्वामी तपोस्थली बोलखेड़ा के पदाधिकारीयों ने वृक्ष उपलब्ध करवाएं जिससे सघन वृक्षारोपण हो सके। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में भी वृक्षारोपण किया गया। इस वृक्षारोपण में सरपंच देवेंद्र सिंह चौधरी , विद्यालय परिवार से अध्यापक महेंद्र कुमार ,राहुल कुमार, कमल सिंह ,अजय कुमार ,विनोद गोस्वामी,यसपाल बाबू विद्यार्थी एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे।

इलायची गुणों की खान है...

इलायची दिखने में जितनी छोटी होती है उससे कही गुना ज्यादा बड़ी वो अपने गुणों में होती है। इलायची न केवल खाने को स्वाद बनाने के काम आती बल्कि ये एक औषधि के रूप में भी इस्तेमाल की जाती है। इलायची हर भारतीय के घर पर मिल जाती है। इलायची के स्वास्थ्य के लिए बहुत सारे फायदे होते हैं। छोटी इलायची को खुशबू व स्वाद के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आज हम आपको छोटी इलायची खाकर गर्म पानी पीने का फायदा बता रहे हैं। अगर हम रात को सोने से पहले दो इलायची को गर्म पानी के साथ खाते हैं तो जानिए हमे क्या-क्या लाभ होते हैं और इसके इस्तेमाल के दौरान हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले बात करते हैं छोटी इलायची के फायदों की।

गुण: छोटी इलायची कफ, खांसी, श्वास, बवासीर और मूत्रकृच्छ नाशक है। यह मन को प्रसन्न करती है। घाव को शुद्ध करती है। हृदय और गले की मलीनता को दूर करती है। हृदय को बलवान बनाती है। मानसिक उन्माद, उल्टी और जीमिचलाना को दूर करती है। मुंह की दुर्गन्ध को दूर करके सुगन्धित करती है और पथरी को तोड़ती है। बड़ी इलायची के गुण भी छोटी इलायची के गुण के समान होते हैं। पीलिया, बदहजमी, मूत्रविकार, सीने में जलन, पेट दर्द, उबकाई, हिचकी, दमा, पथरी और जोड़ों के दर्द में इलायची का सेवन लाभकारी होता है। अगर हम दो इलायची खाकर गर्म पानी पीते हैं तो हमें कब्ज नहीं रहती ' ऐसा करने से हमारी पाचन शक्ति ठीक होती है और पाचन क्रिया ठीक होने के कारण पुरानी से पुरानी कब्ज की समस्या भी ठीक हो जाती है ' अगर आप भी कब्ज से परेशान हैं तो रोज रात को दो इलायची गर्म पानी के साथ जरुर खाएं। छोटी इलायची खाने से वीर्य गढ़ा होता है ' रात को सोने से पहले दो इलायची गर्म पानी के साथ खाने से जिस व्यक्ति का वीर्य पतला होता है उसका वीर्य पुष्ट होकर गढ़ा हो जाता है और सभी तरह के वीर्य विकार नष्ट हो जाते हैं ' किल मुहासोंको ठीक करने के लिए भी ये नुस्खा बहुत ही लाभदायक है ' बालों के झड़ने की समस्या को भी कम करता है ये नुस्खा ' जिन लोगों के बाल झाड़ते हैं वो लोग इस नुस्खे को अपना सकते हैं।

विभिन्न रोगों में उपचार:

स्वप्नदोष: आंवले के रस में इलायची के दाने और ईसबगोल को बराबर मात्रा में मिलाकर 1-1 चम्मच की मात्रा में सुबह-शाम सेवन करने से स्वप्नदोष में लाभ होता है।

आंखों में जलन होने अथवा धुंधला दिखने पर: इलायची के दाने और शक्कर बराबर मात्रा में लेकर पीस लें। फिर इसके 4 ग्राम चूर्ण में एरंड का चूर्ण डालकर सेवन करें। इससे मस्तिष्क और आंखों को ठण्डक मिलती है तथा आंखों की रोशनी तेज होती है।

रक्त-प्रदर, रक्त-मूल-व्याधि: इलायची के दाने, केसर, जायफल, वंशलोचन, नागकेसर और शंखजीरे को बराबर मात्रा में लेकर उसका चूर्ण बना लें। इस 2 ग्राम चूर्ण में 2 ग्राम शहद, 6 ग्राम गाय का घी और तीन ग्राम चीनी मिलाकर सेवन करें। इसे रोजाना सुबह और शाम लगभग चौदह दिनों तक सेवन करना चाहिए। रात के समय इसे खाकर आधा किलो गाय के दूध में चीनी डालकर गर्म कर लें और पीकर सो जाएं। इससे रक्त-प्रदर, रक्त-मूल-व्याधि (खूनी बवासीर) और रक्तमेह में आराम होगा। ध्यान रहे कि तब तक गुड़, गिरी आदि गर्म चीजें न खाएं।

कफ: इलायची के दाने, सेंधानमक, घी और शहद को मिलाकर पीने से लाभ मिलता है।

वीर्यपुष्टि: इलायची के दाने, जावित्री, बादाम, गाय का मक्खन और मिश्री को मिलाकर रोजाना सुबह सेवन करने से वीर्य मजबूत होता है।

मूत्रकृच्छ (पेशाब करने में कष्ट या जलन): इलायची के दानों का चूर्ण शहद में मिलाकर खाने से मूत्रकृच्छ (पेशाब में जलन) में लाभ मिलता है।

उदावर्त (मलबंध) रोग पर: थोड़ी सी इलायची लेकर घी के दिये पर सेंकने के बाद उसको पीसकर बने चूर्ण में शहद को मिलाकर चाटने से उदावर्त रोग में लाभ मिलता है।

मुंह के रोग पर: इलायची के दानों के चूर्ण और सिंकी हुई फिटकरी के चूर्ण को मिलाकर मुंह में रखकर लार को गिरा देते हैं। इसके बाद साफ पानी से मुंह को धो लेते हैं। रोजाना दिन में 4-5 बार करने से मुंह के रोग में आराम मिलता है।

सभी प्रकार के दर्द: इलायची के दाने, हींग, इन्द्रजव और सेंधानमक का काढ़ा बना करके एरंड के तेल में मिलाकर देना चाहिए। इससे कमर, हृदय, पेट, नाभि, पीठ, कोख (बेली), मस्तक, कान और आंखों में उठता हुआ दर्द तुरन्त ही मिट जाता है।

सभी प्रकार के बुखार: इलायची के दाने, बेल और विषखपरा को दूध और पानी में मिलाकर तक तक उबालें जब तक कि केवल दूध शेष न रह जाए। ठण्डा होने पर इसे छानकर पीने से सभी प्रकार के बुखार दूर हो जाते हैं।

कफ-मूत्रकृच्छ: गाय का पेशाब, शहद या केले के पत्ते का रस, इन तीनों में से किसी भी एक चीज में इलायची का चूर्ण मिलाकर पिलाने से लाभ होता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

उल्टी: इलायची के छिलकों को जलाकर, उसकी राख को शहद में मिलाकर चाटने से उल्टी में लाभ मिलता है।

चौथाई चम्मच इलायची के चूर्ण को अनार के शर्बत में मिलाकर पीने से उल्टी तुरन्त रुक जाती है। 4 चुटकी इलायची के चूर्ण को आधे कप अनार के रस में मिलाकर पीने से उल्टी होना बंद हो जाती है।

हैजा: 5-10 बूंद इलायची का रस उल्टी, हैजा, अतिसार (दस्त) की दशा में लाभकारी है। 10 ग्राम इलायची को एक किलो पानी में डालकर पकायें, जब 250 मिलीलीटर पानी रह जाए तो उसे उतारकर ठण्डा कर लेते हैं। इस पानी को घूंट-2 करके थोड़ी-2 से देर में पीने से हैजे के दुष्प्रभाव, प्यास तथा मूत्रावरोध आदि रोग दूर हो जाते हैं।

जमालघोटा का विष: इलायची के दानों को दही में पीसकर देने से लाभ मिलता है।

पेट हो जाएगा अंदर: अगर आपका पेट निकला हुआ है और आप इसे अंदर करना चाहते हैं तो रात को 2 इलायची खाकर गर्म पानी पी लीजिए। इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियम, बिटामिन इ१, इ6 और बिटामिन सी बॉडी की अतिरिक्त चर्बी को पिघला देते हैं। और इसमें मौजूद फाइबर और कैल्शियम वजन को भी कंट्रोल करते हैं। इसलिए इलायची खाकर गर्म पानी पीना न भूलें।

बाल झड़ना हो जाते हैं बंद: रात को 2 इलायची खाकर पानी पीने से बालों की जड़ें मजबूत होती है। बाल झड़ना बंद हो जाते हैं और ये काले भी बने रहते हैं। इससे बालों का डेंड्रफ भी दूर होता है।

स्पर्म काउंट बढ़ता है: अगर आपका स्पर्म काउंट कम है तो ये नुस्खा उसके लिए भी कारगार है। इलायची और ऊपर से गर्म पानी पीने से स्पर्म काउंट बढ़ जाता है।

ब्लड सकुर्लेशन ठीक हो जाता है: अगर आप दो इलायची खाकर एक गिलास गर्म पानी पी लेते हैं तो ब्लड सकुर्लेशन ठीक होने के साथ ही आपका ब्लड भी प्यूरीफाई हो जाता है। जिससे आपकी स्किन भी अच्छी हो जाती है।

डाइजेशन हो जाएगा स्ट्रॉन्ग: अगर आप इलायची खाकर गर्म पानी पी लेते हैं तो आपका डाइजेशन सिस्टम स्ट्रॉन्ग हो जाता है। इससे आंतों और किडनी की सफाई होती है। इससे कब्ज की परेशानी भी दूर हो जाती है।